हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 अवैध खनन को लेकर प्रशासन हुआ सख्त...

11 पीजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार में गणितीय...

BPS
Learn to Lead
BPS है तो..... The Best है.....
Affiliated to C.B.S.E, Kultajpur Road, Narnaul-Haryana
9416908140, 8950202514
www.bpsnarnaul.com

Congratulations!
BPSians Proudly Continuing the Tradition of Excellence
IIT-JEE Mains 2025 Qualifiers

Got 99.51%tile
KESHAV
S/o Mr. Nar Singh & Mrs. Geeta

Got 95%tile
HIMANSHU
S/o Mr. Devki Nandan & Mrs. Raj Bala

Got 89.78%tile
LAKSHYA
S/o Mr. Narender Jain & Mrs. Manisha

KESHAV
S/o Mr. Nar Singh & Mrs. Geeta
Awarded Rs. 41,000/- By School Management

खबर संक्षेप

नारनौल। आरोही मॉडल स्कूल।

आरोही मॉडल स्कूल मंढ़ाणा में प्रवेश परीक्षा 23 को

नारनौल। जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान के मार्गदर्शन में चल रहे नांगल चौधरी खंड के अंग्रेजी माध्यम आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढाणा में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा छठी नौवीं व 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा 23 फरवरी को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा हेतु 20 जनवरी से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 22 फरवरी है। रजिस्ट्रेशन फॉर्म आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में उपलब्ध है तथा रजिस्ट्रेशन फॉर्म कार्यालय आरोही मॉडल स्कूल में ही जमा करवाना होगा। प्रवेश परीक्षा 23 फरवरी को दो चरणों में आयोजित की जाएगी। कक्षा छठी व 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा सुबह 11 से 12:30 बजे तक तथा नौवीं के लिए प्रवेश परीक्षा दो से 3:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जो 100 अंक की होगी। परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

आज अवकाश रहेगा, नामांकन जमा करने का अंतिम दिन सोमवार 17 फरवरी

चेयरमैन पद के लिए दो और पार्षद के लिए अब तक प्राप्त हुए 19 आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶मंडी अटेली

अटेली नपा के चुनावों के लिए नामांकन के चौथे दिन शनिवार को चेयरमैन के दो आवेदन जमा हुए, जबकि पार्षद के लिए अभी तक कुल 19 नामांकन जमा हो चुके हैं। चेयरमैन के लिए धर्मेंद्र शर्मा व राहुल गर्ग ने नामांकन जमा करवाया। वहीं पार्षद के लिए अभी तक कुल 19 आवेदन जमा हो चुके हैं, जबकि शुक्रवार को अनुसूचित जाति के रिजर्व वार्ड 6 से राहुल जोईया ने सौंपा था। एसडीएम भी रिटर्निंग अधिकारी के रूप में नपा अटेली कार्यालय में मौजूद रहे तथा नामांकन प्रक्रिया के अलावा चुनाव की अन्य प्रक्रिया को शांति व निष्पक्ष कराने के लिए कर्मियों को 2 मार्च की तैयारियों को पूर्ण रूप से करने के लिए दिशा निर्देश व चुनाव आयोग की गाइडलाइन को देखा गया। सहायक रिटर्निंग अधिकारी व तहसीलदार संजीव नागर ने चेयरमैन व पार्षद के लिए नामांकन लिए। 16 फरवरी रविवार को अवकाश रहेगा तथा नामांकन जमा करने का अंतिम दिन सोमवार 17 अगस्त रहेगा। अब प्रत्याशियों के लिए केवल एक दिन ही फार्म जमा करवाने के लिए शेष रह गया है। वैसे पार्षद व चेयरमैन के इच्छुक 98 प्रत्याशियों ने फार्म लिए गए हैं। नो ड्यूज व अन्य औपचारिकताओं करवाने के लिए शनिवार को खूब भाग दौड़ देखी जा रही है। चेयरमैन के लिए 24, पार्षद के लिए 74 फार्म खरीद चुके हैं। नामांकन कल 17 फरवरी तक सुबह 11 से दोपहर बाद 3 बजे तक आवेदन जमा होने का समय रहेगा। पार्षद के लिए वार्ड नंबर एक जो बीसी ए के लिए आरक्षित है, शनिवार को जमा होने वाले नामांकनों में शर्मिला देवी पत्नी आनंद शर्मा, दीप्ती कुमारी, वार्ड दो से अशोक कुमार, अंजु गुप्ता, वार्ड चार जो एससी के लिए रिजर्व है, इसके लिए स्नेहलता पत्नी अजीत बाबू, वार्ड पांच से पूर्जा शर्मा, पिंकी, वार्ड छह से राहुल, दीपांशु, वार्ड सात से गौरव गर्ग, वार्ड आठ से प्रमोद कुमार, ज्योति देवी, जितेंद्र कुमार, दिपेश गर्ग, वार्ड नौ से हितेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, विजय कुमार, वार्ड 10 से अलका, वार्ड 11 से घर्मेंद्र ने फार्म जमा करवाया। वार्ड तीन व 12 से कोई भी नामांकन जमा नहीं हुआ। वार्ड पार्षदों व चेयरमैन के प्रत्याशियों को नपा समेत तीन अलग विभागों से नो ड्यूज प्रमाण लेने के लिए नपा में भीड़ लगी हुई है। नपा के हाउस टैक्स, रेट आदि जमा करवाने के लिए भी लाइन लगी हुई है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी व अटेली तहसीलदार संजीव नागर ने बताया कि शुक्रवार को तीसरे दिन एक नामांकन जमा हुआ है।

मंडी अटेली। पार्षद पद हेतु वार्ड एक से शर्मिला नामांकन दर्ज करवाते हुए।

- नामांकन के लिए उम्मीदवारों के पास बचा मात्र एक दिन

19 को 3 बजे तक होगी नाम वापसी

जिला उपायुक्त की ओर से जारी आदेशों के अनुसार एसडीएम नारनौल रमित यादव को अटेली नगर पालिका चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी लगाया गया है। नामांकन के बाद 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की छंटनी करने के बाद 19 फरवरी को 3 बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद इसी दिन चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इस दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची भी चस्पा कर दी जाएगी।

22 पार्षद व 3 चेयरपर्सन के लिए नामांकन दाखिल

कनीना। आरओ डा. जितेंद्र सिंह अहलावत के सामने नामाकंन पत्र दाखिल करती महिला उम्मीदवार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶कनीना

आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव के लिए 11 फरवरी से शुरू हुई नामाकंन प्रक्रिया के पांचवें दिन नामाकंन पत्र दाखिल करने में तेजी आई। शनिवार को वार्ड पार्षदों के लिए 22 व चेयरपर्सन के लिए तीन नामाकंन पत्र दाखिल हुए।

रविवार का अवकाश रहने के बाद नामांकन प्रक्रिया का एक दिन 17 फरवरी का शेष बचा है। सोमवार को भी नामाकंन दाखिल करने वालों की गहमा गहमी रहने की उम्मीद है। 18 फरवरी को नामाकंन पत्रों की जांच की जाएगी व 19 को नाम वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव मैदान में रहने वाले प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह अलाट किए जाएंगे। इसके बाद दो मार्च को सुबह आठ बजे से सायं छः बजे तक मतदान होगा। 12 मार्च को मतगणना की जाएगी। दाखिल किए नामाकंन पत्रों में प्रधान पद के लिए स्नेहलता, सुमन व रिंपी यादव ने आवेदन किया। इसी प्रकार वार्ड पार्षद के लिए वार्ड एक से मंजू देवी, स्वाति यादव व निर्मला, नौ से राजेश कुमार, 13 से ममता, 10 से नितिन व योगेश, सात से उषा, 13 से प्रदीप यादव, नौ से सजन सिंह व पूनम कुमारी, 10 से दीपक यादव, नौ से नितेश, तीन से उषा, चार से रेखा व निशा, आठ से नीलम, छह से हेमराज व संदीप, 14 से राजेंद्र सिंह, पांच से कमल यादव, दो से सुनील कुमार ने नामाकंन पत्र दाखिल किया। इससे पहले वार्ड चार से दो नामांकन अंजू व रेखारानी तथा वार्ड 12 से एक राखी कुमारी की ओर से किए गए। अब तक कुल 28 आवेदन दाखिल हो चुके हैं।

KOTPUTLI, BEHROR TOPPER

Somay Saini
99.95%ile

15 वर्षों से लगातार जिले में नं. 1

Raath International
(Group of Schools)

22 YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION

ALWAR, KHAIRTHAL TIJARA TOPPER*

Aditya Loha
99.91%ile

JEE Main Result-2025

A	99%ile - 6
B	98%ile - 10
O	97%ile - 16
V	95%ile - 24
E	90%ile - 41

Prince 99.75%ile

Ghanesh Ku. Goyal 99.43%ile

Shivangi 99.09%ile

Shivam Kumar 99.05%ile

Muskan 98.82%ile

Khushbu 98.63%ile

Yash Kr. Yadav 98.29%ile

Priyanka Yadav 97.55%ile

Daksh 97.30%ile

Our Alumni in JEE Main

Paarth 97.30%ile

Amarjeet 97.12%ile

Shantanu 97.12%ile

Anuj Kumar 97.02%ile

Vineet 96.98%ile

Mayank Kumar 96.91%ile

Jashan Mahlawat 96.79%ile

Tarun Yadav 96.74%ile

Harsh Sharma 96.74%ile

445

Ashish Yadav 96.46%ile

Sahyog Yadav 96.14%ile

Himesh 95.37%ile

Ritika 93.47%ile

Sharique Khan 92.69%ile

Prince 91.79%ile

Nakul 91.70%ile

Yuvraj 91.32%ile

Dinesh Kumar 90.91%ile

Jahnavi 90.12%ile

Om Yogi 90.00%ile

Our Alumni in JEE Adv.

85

OUR SUPERB ACHIEVEMENTS
NEET 175+ Students | JEE Main 445+ Students | JEE Advance 85+ Students | NDA 250+ Students | NTSE 275+ Students | STSE 362+ Students | CA 110+ Students | CLAT 85+ Students

Join our Upto 100% Scholarship Exam
For Grades I to XII
Exam Time - 11:00 am

SUBJECT
For Grades (1st to 3rd) : Hindi (15), English (15), Maths (15), EVS (15)
For Grades (4th to 12th) : English (20), Maths (20), Science (20)

SCHOLARSHIP
ABOVE 90% : AS PER PERCENTAGE OBTAINED
ABOVE 85% : 50% SCHOLARSHIP
ABOVE 80% : 25% SCHOLARSHIP
SCHOLARSHIP IS APPLICABLE IN TUITION FEE ONLY

16th FEB., (Sunday) For Behror, Alwar & Kund Campuses
23rd FEB., (Sunday) For Bhiwadi Campus
Buses facility available on all routes

Scan QR Code For Registration

No Reg. Fee

raathinternationalschoolsgroup.com
ALWAR 9887637800 | BEHROR 8769128418 | KUND 7027740606

BHIWADI CAMPUS
Fully Air-conditioned
9257675606

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

▶▶ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▶▶ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
▶▶ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▶▶ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्ट टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर्न बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

●लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी — पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

जेईई मेन्स की परीक्षा में डीएवी ने लहराया परचम

नारनौल। जेईई मेन्स का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें डीएवी के 25 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस परीक्षा में विद्यालय के मनेक ने 99.18 परसेंटाइल, मोहित ने 98.55 परसेंटाइल, मिनाक्षी ने 98.08 परसेंटाइल, हर्ष ने 97.74 परसेंटाइल, शिवम ने 97.08 परसेंटाइल, अक्षय ने 97.01 परसेंटाइल, मंगलम ने 96.12 परसेंटाइल, द्वीज ने 96.8 परसेंटाइल, सक्षम ने 95.68 परसेंटाइल, कुनाल ने 94 परसेंटाइल, हर्षवर्धन ने 93.69 परसेंटाइल, मुकुल ने 92.7 परसेंटाइल, केशव गोयल ने 92 परसेंटाइल, जितेश ने 91 परसेंटाइल, परमेश्वर ने 91 परसेंटाइल, अंशु कौशिक ने 90 परसेंटाइल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदशन किया। प्राचार्य विरेन्द्र कुमार ने परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों व अध्यापकों को इस शानदार सफलता पर बधाई दी। प्राचार्य ने बच्चों को कठिन परिश्रम से पढ़ाई करने की प्रेरणा देते हुए उन्हें परीक्षा के लिए शुभकामनाए दीं।

पहाड़ियों एवं नदी क्षेत्र से स्थानीय लोगों की ओर से पत्थर व बजरी के खनन करने की शिकायतें मिलीं

अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन सख्त अवैध खनन में संलिप्त 50 वाहन मालिकों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले में अवैध खनन की रोकथाम के लिए प्रशासन सख्त निगरानी व कानूनी कार्रवाई कर रहा है। दिसम्बर 2024 से अब तक 50 वाहनों को अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। वहीं शुक्रवार रात को राजस्थान से अवैध पत्थर लाने के आरोप में एक ट्रक को बंद किया है।

जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश सहरावत ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिला खनिज बाहुल्य क्षेत्र है। जिले में गांव गढ़ी खुड़ाना की सीमा से लेकर गोलवा बायल तक लगभग 60 से 70 किलोमीटर के दायरे में अरावली वन क्षेत्र के तहत पहाड़िया स्थापित हैं। इसके अलावा जिले की सीमा से कृष्णावती एवं दोहान नदियों का क्षेत्र भी लगता है।

नारनौल। राजस्थान सीमा पर पत्थर से भरे ट्रक को रूकवाते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

अरावली वन क्षेत्र के तहत पहाड़ियों एवं नदी क्षेत्र से स्थानीय लोगों की ओर से पत्थर व बजरी मिटटी का मौका पाकर अवैध खनन करने की एक दो शिकायतें खनन विभाग को मिलती है। खनन विभाग की ओर से जिला प्रशासन के सहयोग अनुसार पहाड़ी एवं नदी क्षेत्रों का निरंतर दिन व रात अवैध खनन की रोकथाम के लिए निरीक्षण करते हुए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से दिसम्बर 2024 से लेकर अब तक 50 वाहनों को अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर अवैध खनन के जुर्म में विभागीय कानूनी कार्रवाई अनुसार स्थानीय पुलिस थानों में बंद किया गया।

3352600 रुपये का जुर्माना

इस प्रकार पकड़े गए 10 वाहन मालिकों से विभागीय नियम अनुसार 3352600 रुपये रोयल्टी एवं जुर्माना राशि के तौर पर वसूल किया गया एवं जुर्माना राशी न भरने वाले 21 वाहनों के खिलाफ मुकदमें दर्ज करवाए गए। इसके अतिरिक्त पहाड़ी एवं नदी क्षेत्रो से अवैध खनन करवाने और करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ 12 मुकदमें दर्ज करवाए गए हैं। इसके अलावा कुछ वाहन अभी भी थाने में खड़े हुए हैं।

खनन रोकने के लिए निगरानी

इस प्रकार सम्बन्धित सरपंचों की ओर से उपायुक्त के आदेश अनुसार सहयोग किया जा रहा है और फिलहाल उपरोक्त अनुसार कार्यरत सभी टीमों के अधिकारियों की ओर से जिले में अवैध खनन की रोकथाम के लिए पूर्ण निगरानी रखी हुई है। उपमंडल अधिकारी नांगल चौधरी की ओर से जिला खनन अधिकारी एवं थाना प्रबन्धक के साथ शुक्रवार को रात्रि के समय नांगल चौधरी क्षेत्र में अवैध खनन का निरीक्षण करते हुए राजस्थान राज्य से अवैध खनन का पत्थर को भरकर ले जाते हुए एक ट्रक को शहबाजपुर गांव के पास पकड़कर आगामी विभागीय कानूनी कार्रवाई के लिए बंद किया गया।

अवैध खनन की रोकथाम के लिए सख्त निर्देश

महानिदेशक खान एवं भू विज्ञान विभाग हरियाणा पंचकूला के सख्त आदेशों की पालना करते हुए जिले में अवैध खनन की रोकथाम के लिए उपायुक्त की ओर से खनन विभाग के अतिरिक्त अंतर विभागीय टीमों का गठन करते हुए एवं पुलिस अधीक्षक के माध्यम से सभी पुलिस थानों के थाना प्रबंधकों को निर्देश देते हुए जिले में लगातार दिन व रात अवैध खनन की रोकथाम के निरीक्षण एवं कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा उपायुक्त की ओर से अवैध खनन होने वाले गांवों के सरपंचों के साथ सभी उपमंडल अधिकारियों, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी व जिला खनन अधिकारी के साथ बैठक के माध्यम से अपने अपने गांवों की सीमाओं में अवैध खनन की रोकथाम के लिए निर्देश दिए गए।

नारनौल। हेरिटेज स्कूल के विद्यार्थी।

हेरिटेज विद्यालय के 47 बच्चों का हिंदी ओलंपियाड में परचम

नारनौल। उपमंडल कनीना में स्थित हेरिटेज पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहनपुर के विद्यार्थियों ने हिंदी ओलंपियाड में अपनी प्रतिभा दिखाई। जिसमें 115 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें पहले, दूसरे व तृतीय स्थान पर हेरिटेज विद्यालय के विद्यार्थियों का दबदबा रहा। इसमें प्रथम स्थान पर 27 विद्यार्थियों व द्वितीय स्थान पर 12 विद्यार्थियों तथा तृतीय स्थान पर आठ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। चौथी कक्षा से नमन कुमार, इशांत शर्मा व सुनिधि डाबड ने 13वां रैंक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। वहीं 40 से कम रैंक पर 13 विद्यार्थियों ने कब्जा जमाया, 40 से 60 रैंक के बीच 24 विद्यार्थियों व 60 से 70 रैंक के बीच 10 विद्यार्थियों ने अपना कब्जा जमाया। इसी बीच 100 से कम रैंक में 60 विद्यार्थी रहे।विद्यालय के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों व अध्यापकगणों को बधाई दी। इस दौरान विद्यालय के सीईओ कैलाश शर्मा, मनीष कुमार, डायरेक्टर खुशीराम शर्मा, प्रधानाचार्य कृष्ण सिंह, सीनियर कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार, जूनियर कोऑर्डिनेटर सुमन आदि मौजूद थे।

हैप्पी स्कूल में खेल कार्निवल का रंगारंग आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल कार्निवल का आयोजन 13 और 14 फरवरी को किया गया है। यह आयोजन विद्यालय के प्रांगण में विंग प्रभारी मोनिका शर्मा की देखरेख में आयोजित किया गया। आयोजन में विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई जिनमें दौड़, लंबी कूद, फ्रॉग रेस, जंपिंग रेस, श्री लेग रेस और अन्य खेल शामिल थे। जिसमें कक्षा तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्पोर्ट्स-डे सेलिब्रेशन में मुख्यातिथि उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल रहे। प्राचार्य डॉ. जेएस

कुंतल ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। प्रतियोगिता का पहला चरण 13 फरवरी को आयोजित किया गया, जिसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। 14 फरवरी को हुए दूसरे चरण में विजेता विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिता आयोजित की गई और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया। प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन अंग्रेजी विषय की अध्यापिका मनीषा यादव ने किया। विजेता विद्यार्थियों में कक्षा तीसरी से प्रथम स्थान पर निहारिका, रचित, द्वितीय स्थान पर तमन्ना और जियांशु तथा तीसरे स्थान पर तनविका और मयंक रहे। वहीं कक्षा चौथी से प्रथम स्थान पर प्रियांशी और शिवांश, द्वितीय स्थान पर सृष्टि और विपिन और तृतीय स्थान पर राधिका तथा सक्षम ने बाजी मारी। वहीं कक्षा पांचवी से प्रथम स्थान पर ज्ञानेश्वर, डुग्गू, भावना और विरांशी रहे, द्वितीय स्थान पर काव्या, हर्षिता, उमेश और दक्ष रहे तथा तीसरे स्थान पर मेघना, अलका, कृष और नव्या बने रहे। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल के अनुसार इस आयोजन के लिए स्कूल के छात्रों और शिक्षकों ने विशेष तैयारी की है। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन छात्रों को अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने में मदद करेगा। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने कहा कि स्पोर्ट्स-डे सेलिब्रेशन हमारे छात्रों के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। यह आयोजन उन्हें प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास को बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

कला वर्ग तृतीय सेमेस्टर की छात्रा आशा प्रथम

आशा

किरण

शिवाती

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज ने हर बार अभिभावकों व विद्यार्थियों को विश्वस्त करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय स्तर पर साबित करके दिखाया है कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास यदुवंशी एजूकेशन ग्रुप के माध्यम से ही होता है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में कला वर्ग तृतीय सेमेस्टर की छात्रा आशा पुत्री विक्रम सिंह ने पहला, किरण पुत्री अशोक कुमार ने तीसरा, शिवाती पुत्री सुनील कुमार ने सातवां स्थान प्राप्त किया है। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव व डा. प्रदीप यादव ने समस्त शैक्षणिक व विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल होने वाले विद्यार्थियों को जागृति संदेश के माध्यम से प्रेरित किया। प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि सबसे पहले अपना घर इन विद्यार्थियों के घर को मानते हैं और हमारा प्रयास रहता है कि किसी भी प्रकार से यह विद्यार्थी पिछड़े नहीं। उपप्राचार्या सोनल यादव ने कहा कि समय समय पर मौखिक व लिखित टेस्टों के माध्यम से इन विद्यार्थियों को तैयारी करवाई जाती है। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, डा. राजकुमार, नवीन, लीलाधर, संजय मीणा, अजीत, अनिल यादव, सुनील, विजय, मनोज आदि ने बधाई दी।

एमएससी फिजिक्स के टॉप-10 मेरिट सूची में सूरज डिग्री कॉलेज के छह विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा एमएससी फिजिक्स के तृतीय सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया की एमएससी फिजिक्स में विश्वविद्यालय द्वारा जारी टॉप-10 मेरिट लिस्ट में सूरज कॉलेज के 10 में से 6 विद्यार्थियों ने इस मेधावी सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। जिसमें एमएससी फिजिक्स तृतीय सेमेस्टर की छात्रा लक्ष्मी पुत्री संतोष कुमार ग्राम कनीना ने 9.00 एसजीपीए के सर्वाधिक अंक हासिल कर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम मे सरिता पुत्री रोहताश ग्राम राता कला ने 8.85 एसजीपीए के साथ चौथा, भतेरी पुत्री कर्मबीर ग्राम नया गांव बहाला ने 8.64 एसजीपीए के साथ पांचवा, एकता

लक्ष्मी।

एकता।

मोनिका।

करूणा।

कुमारी पुत्री रमेश कुमार ग्राम मुंडिया खेडा ने 8.61 एसजीपीए के साथ छठा, करुणा पुत्री आनंद ग्राम झगडौली ने 8.52 एसजीपीए के साथ सातवां तथा मोनिका शर्मा पुत्री बिजेंद्र शर्मा ग्राम बसई ने 8.52 एसजीपीए के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में कुमारी तन्नू पुत्री बीरसिंह 8.42 एसजीपीए, हिना पुत्री चंद्रप्रकाश ने 8.18 एसजीपीए, अनुज पुत्री नरेंद्र कुमार ने 8.15 एसजीपीए, ज्योति यादव पुत्री रमेश कुमार ने 7.79 एसजीपीए, प्रिया यादव पुत्री जितेंद्र कुमार ने 7.67 एसजीपीए, सोनिया पुत्री बहादुर सिंह ने 7.58 एसजीपीए अंक प्राप्त किए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। निदेशक संदीप प्रसाद ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

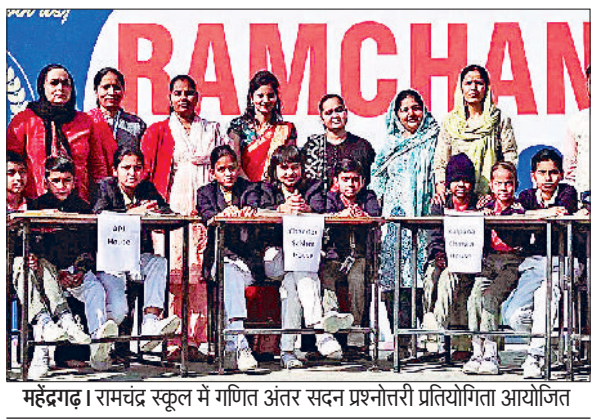

महेंद्रगढ़। रामचंद्र स्कूल में गणित अंतर सदन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में अंतर सदन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा तीसरी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता चार भागों में हुई प्रथम भाग से चंद्रशेखर सदन की छात्रा तानिया कक्षा आठवीं से व रितेश कक्षा पांचवी से व तनिया कक्षा सातवीं से रही। इसी प्रकार सुभाषचंद्र बोस ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहा व कल्पना चावला ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। - आरआरसीएम ग्रुप अध्यक्ष राव रोशनलाल ने बच्चों को बधाई दी तथा इसी प्रकार से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्साहित किया। साथ ही कोआर्डिनेटर रितु यादव ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

बीएनडी स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में परचम

हरिभूम न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा के तीन होनहार विद्यार्थियों ने जेईई मेंस की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हर्ष पुत्र देवदत्त राठीवास, अक्षय पुत्र मनोज उष्मापुर एवं उर्वशी पुत्री आदेश खातोदड़ा की सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है। हर्ष ने जेईई मेंस की परीक्षा में 97.66 परसेंटाइल, अक्षय और उर्वशी ने क्रमशः 95.44 और 94.20 परसेंटाइल प्राप्त की है। तीनों विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

को दिया है। चेयरमैन विजयपाल यादव ने कहा कि यह उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। प्राचार्य हनुमंत शर्मा ने कहा कि जेईई मेंस में सफलता प्राप्त करना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, यह विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। मौके पर मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव, डायरेक्टर पूनम यादव, वाइस प्रिंसिपल दिनेश कुमार, पीजीटी हेड अरविंद, टीजीटी हैड विकास यादव, पीआरओ राकेश यादव, प्राईमरी हैड मंजू यादव व स्टाफ मौजूद रहा।

हकेंवि में नेतृत्व क्षमता विकास पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) के अंतर्गत नेतृत्व क्षमता विकास पर केंद्रित एक सप्ताह का आनलाइन शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षक-नेतृत्व विकास के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कुलपति ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता का विकास सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरूआत में एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अकादमिक नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका और संस्थागत विकास तथा विद्यार्थियों के विकास पर इसके प्रभाव पर भी ध्यान आकर्षित कराया। प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. सुनीता तंवर ने आयोजन के महत्त्व के साथ-साथ इसके उद्देश्य, संरचना और अपेक्षित परिणामों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हिंदी लेखन प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साह एवं जोश के साथ हिस्सा लिया। लेखन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान के दायरे का विस्तार करना तथा रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करना था। लेखन मानसिक प्रतिक्रियाओं, भावनाओं एवं विचारों का एक संवरा रूप है। हिंदी लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें कक्षा दूसरी से

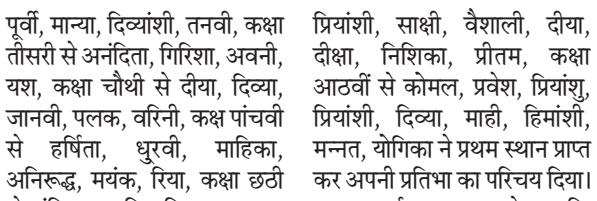

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

पूर्वी, मान्या, दिव्यांशी, तनवी, कक्षा तीसरी से अनंदिता, गिरिशा, अवनी, यश, कक्षा चौथी से दीया, दिव्या, जानवी, पलक, वरिनी, कक्ष पांचवी से हर्षिता, धुरवी, माहिका, अनिरूद्ध, मयंक, रिया, कक्षा छठी से वंशिका, राशि, प्रियम, खनक, आराध्या, सानवी, कक्षा सातवीं से खुशी, प्रियंका, शुभम, गीतिका, प्रियांशी, साक्षी, वैशाली, दीया, दीक्षा, निशिका, प्रीतम, कक्षा आठवीं से कोमल, प्रवेश, प्रियांशु, प्रियांशी, दिव्या, माही, हिमांशी, मन्नत, योगिका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि शैक्षणिक संस्था में प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों की दक्षता बढ़ाने के लिए होता है। प्रतियोगिता छात्रों के ज्ञान और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करती हैं। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही विद्यार्थियों को जीवन का सही अर्थ समझ में आता है। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर विद्यार्थी अपने आपको पहचानने में सक्षम बन पाते हैं। इस दौरान वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र सिंह ने भी विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नारनौल। नवविवाहित दंपत्ति को सम्मानित करती कृष्णा आर्या।

परिवार मिलन संगोष्ठी का आयोजन

नारनौल। लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के सौजन्य से शिव कॉलोनी में परिवार मिलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नवविवाहित दंपत्ति दीपांशु व अंजली को पौधा भेंट करके उनके मंगलमयी भविष्य की कामना की गई। सुनीता शर्मा व नरेश कुमार के आवास पर आयोजित इस संगोष्ठी में डा. कृष्णा आर्या के नेतृत्व में शिक्षाप्रद लोकगीत गाए गए व युगल दीपांशु और अंजली को सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन व प्रकृति संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। नवविवाहित युगल को आशीर्वाद देते हुए आर्या ने बड़े बुजुर्गों का सम्मान करने, जल, प्रकृति, लोकपरंपराओं व लोकसांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की बात कही। इस परिवार मिलन संगोष्ठी व आशीर्वाद कार्यक्रम में डा. कृष्णा आर्या के साथ भुवनेश शर्मा, आशा शर्मा, सुनीता शर्मा, नरेश कुमार, अंशुल, शालिनी, सरिता, संतोष, सुदेश, करुणा, संजीव यादव, सुमन, सुनीता, मंजू आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम — राजकीय महाविद्यालय के भौतिकी व गणित विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित

पीजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार में गणितीय व भौतिक विज्ञान में नवीनतम प्रगति पर किया मंथन

हरिभूमिन्यूज ⏭ नारनौल।

राजकीय महाविद्यालय के भौतिकी व गणित विभाग की ओर से महानिदेशक उच्चतर शिक्षा पंचकूला के सौजन्य से गणितीय व भौतिक विज्ञान में नवीनतम प्रगति विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में देशभर से 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया और

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान अतिथिगण व कॉलेज स्टाफ।

अपने शोध विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. पीके शर्मा जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी चरखी दादरी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भौतिकी व गणित विषय एक सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने इन दोनों क्षेत्रों के अभिसरण से मानव कल्याण में होने वाले लाभों पर विस्तार से चर्चा की और शोधार्थियों को इन दोनों विषयों की बारिकियों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर डा. एमएस बड़क गणित विभाग इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी रहे। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों में निरंतर अपना बेस्ट योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने लघु कथाओं और पहेलियों के माध्यम से गणितीय सिद्धांतों की बारीकियों पर मंथन किया।

वहीं दुसरे सत्र में प्रोफेसर डा. विजय कुमार भौतिक विभाग इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी रहे।

शोधार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए

प्रेस प्रवक्ता डा. चंद्र मोहन ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डा. कांता व डा. सुमन यादव रहे। उन्होंने कार्यक्रम का परिचय देते हुए संगोष्ठी के विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। डा. विजेंद्र सिंह, डा. गोविंद हुड्डा ने स्टेज संचालन किया। यह सेमिनार बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि गणित व भौतिकी हमेशा ही हमारे द्वारा जीएं जा रहे विश्व को आकार देने में साथ साथ चले है। संगोष्ठी में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सार्वजनिक सूचना

मै रघुवीर सिंह पुत्र ब्रिज लाल वासी मौहल्ला बडा बाग नियर रेलवे स्टेशन नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मैने अपनी पुत्री मोहिनी का एक बैंक खाता सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक नारनौल में खुलवाया हुआ है। जो भी दस्तावेज बैंक खाते में दिए हुए है उसमें मेरी पुत्री का नाम मोहिनी पुत्री रघुवीर सिंह दर्ज है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना चाहिए।

खबर संक्षेप

कुएं में गिरने से महिला की मौत

नारनौल। कुएं में गिरने से महिला की मौत हो गई। वहीं परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस में भी नहीं दी है। ग्रामीणों ने ही महिला को कुएं से बाहर निकाला। जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। सदर थाना क्षेत्र के गांव बांस किरारोद उमराबाद की करीब 50 साल की महिला प्रवीण देवी शनिवार दोपहर बाद करीब एक बजे गांव के पास बने कुएं में गिर गई। उसको कुएं में गिरता ग्रामीणों ने देख लिया। जिसके बाद सरपंच व उसके परिजनों को इसकी सूचना दी गई। मौके पर अनेक ग्रामीण एकत्र हो गए। सभी ने मिलकर महिला को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। महिला कई दिनों से बीमार चल रही थी।

फांसी का फंदा लगा कर जीवन लीला की समाप्त

महेंद्रगढ़। गांव ढाढोत निवासी एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

रोहताश सिंह ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव ढाढोत का रहने वाला है। उसके तीन बच्चे हैं, नरेश सबसे छोटा है। जो एक विवाहित था। नरेश की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। नरेश ने 15 फरवरी की रात्रि को अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसमें किसी का कोई कसूर नहीं है और ना हमें किसी पर कोई शक है।

ज्ञापन सौपेंगे ग्रामीण सफाई कर्मचारी

सतनाली । मंडी ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन सोमवार को लघु सचिवालय नारनौल में जिला स्तरीय प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को मांगों का ज्ञापन सौपेंगे। इस प्रदर्शन में सतनाली ब्लॉक से सफाई कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी के ब्लॉक प्रधान जगदीश प्रसाद व सचिव अशोक कुमार ने बताया कि केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के आह्वान पर 17 फरवरी को जिला स्तरीय प्रदर्शन लघु सचिवालय नारनौल में किया जाएगा। इस मौके पर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की जिला कमेटी की ओर से विभिन्न मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा जाएगा।

कनीना बार एसोसिएशन चुनाव कल, तैयारी पूरी

कनीना। बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए दाखिल किए नामाकंन पत्रों की सोमवार को जांच की जाएगी। इसके बाद 18 फरवरी को सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इसके बाद 28 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर चार बजे तक मतदान होगा, इसके बाद मतणना कर परिणाम जारी किए जाएंगे। बार एसोसिएशन चुनाव के दृष्टित शुक्रवार को नामाकंन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन प्रधान पद के लिए पांच नामांकन पत्र दाखिल हुए थे। चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिनेश कुमार यादव व सहचुनाव अधिकारी नवीन कौशिक ने बताया कि प्रधान पद के लिए एडवोकेट वेदप्रकाश गुर्जर, सतीश कुमार भाटोटिया, मंजीत सिंह, अखिल अग्रवाल व राकेश कुमार सहित पांच नामाकंन पत्र दाखिल हुए।

शांतिपूर्वक तरीके से चली सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा

कनीना। केंद्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10 व 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं शनिवार से शुरू हुई, जो शांतिपूर्वक तरीके से चली। दसवीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा रही। जिनके शांतिपूर्वक संचालन के लिए बोर्ड व प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई थी। कनीना सब डिवीजन में तीन परीक्षा केंद्र एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला, यूरो स्कूल उन्हाणी व इंडसवैली स्कूल दौंगड़ा अहीर में बनाए गए हैं। जहां नकल रहित परीक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं पुलिस कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। बोर्ड के पर्यवेक्षक भी केंद्रों का निरीक्षण किया।

प्रशासन का स्वच्छता पर फोकसः गंदगी

डीएमसी बदले तो शहर में सफाई पर दिखा फोकस, सफाई दरोगा व कूड़ा उठाने वाले वाहन चालकों के वार्ड वाइज नंबर किए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

डीएमसी डा. आनंद शर्मा।

- सभी वार्ड के सफाई दरोगा व कूड़ा उठाने वाले वाहन

शहर में स्वच्छता को लेकर प्रशासन का विशेष फोकस है। एक तरफ जहां सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रत्येक वार्ड में चल रहे कूड़ा उठाने वाले वाहन के चालक व दरोगा का नंबर जारी किए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए जिला नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के सभी शहरों में सड़कों पर कूड़ा फेंकने वाले नागरिकों के लगातार चालान काटे जा रहे हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि उनके वार्ड में कूड़ा उठाने वाला कई बार उनके वार्ड में समय पर नहीं आता। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अब संबंधित वार्ड के दरोगा तथा उस वार्ड में कूड़ा उठाने वाले वाहन चालक के नंबर जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर एक, दो, तीन में रामुतार दरोगा है। जिनके मोबाइल नंबर 9996728863 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अमन जिनके मोबाइल नंबर 9466727304, रणवीर 9467023902, गौरव 8750802628 है। वार्ड नंबर चार, पांच, 11, 12, 16, 19, 21, 22, 23, 31 में भूपेंद्र दरोगा है। जिनके मोबाइल नंबर 8708153049 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक सुरेंद्र 7876937787, राकेश 8950773672, राजपाल 8684986124, योगेश 9996128081, जसवीर 9996735753, गुरमुख 7082660648, युधिष्ठिर 9591501660, सुरेश 9896266967, कपिल 7988414027, विक्रम 8813928680 है। वार्ड नंबर आठ, 10, 24 में प्रताप सिंह दरोगा है। जिनके मोबाइल नंबर 9050607669 है तथा इसी वार्ड में वाहन चालक सुनील 9817948933, राजेश 7494999735, राजेश 7982173023 है। इसी प्रकार वार्ड नंबर नौ, 27 व 29 में राजू दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 8684013535 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अरुण 8295155961, विजय 8708927946, कृष्णा 5350158212 है। वार्ड नंबर 13, 14, 15 में महेंद्र सपलिया है, जिनके मोबाइल नंबर 8168049165 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक सीताराम 8684864369, सज्जन 8950592144, अविनाश 9588163040 है। वार्ड नंबर 17,18, 20 व 28 में नरेश दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 8398067538 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक प्रीतम 7056977601, जोगेंद्र 8708164213, करण 9817818583, योगेश 7082500662 है। वहीं वार्ड नंबर 25, 26 व 30 में राहुल दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 7988907689 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अमित 7015011627, सावन 9729245753, योगेंद्र 9466926725 है। इसी तरह वार्ड नंबर छः व सात में गिरवर दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 9468198239 है तथा इस वार्ड में वाहन चालक पवन 8708876268, कुलदीप 9468351407 है।

स्वच्छता एप पर करें शिकायत

शहरी क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए स्वच्छता एप पर करें शिकायत जिला नगर आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया है कि जिला के शहरी क्षेत्रों में सफाई के लिए नागरिक स्वच्छता एप पर शिकायत दर्ज कराएं। सरकार ने स्वच्छता एप शुरू किया है। इस एप से नगर पालिका व नगर परिषद भी जुड़े हुए हैं। कोई भी नागरिक अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर से स्वच्छता एप को डाउनलोड कर गंदगी समेत अन्य समस्याओं की शिकायतें कर सकेंगे।

स्वच्छता एप का इस्तेमाल करने का ये है तरीका

गूगल प्ले स्टोर या नगर निगम की वेबसाइट से ऐप डाउनलोड करें। एप में अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर करें। पोस्ट, कंप्लेंट पर क्लिक करें। शिकायत की श्रेणी चुनें। शिकायत से जुड़ी फोटो लें। फोटो के साथ साथ, गूगल लोकेशन या मैनुअली लैंडमार्क चुनें। सबमिट करने पर, आपको एक रिफरेंस नंबर मिलेगा। शिकायत का समाधान होने पर आपको एप पर सूचना मिलेगी।

नांगल चौधरी में फिरौती मांगने की पुलिस से शिकायत

फिरौती मांगने वाले ने दुकानदार को पर्ची में लिखकर की पैसों की डिमांड

- इससे पूर्व श्रार इसी दुकानदार को फिरौती जा चुकी है मांगी
- दुकान में की तोड़फोड़, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

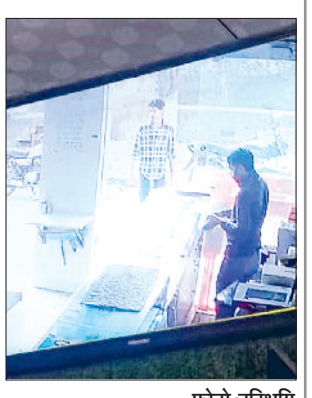

नांगल चौधरी। मौके पर पहुंची पुलिस व सीसीटीवी में कैद वारदात। फोटो :हरिभूमि

नांगल चौधरी। दुकान में तोड़ा गया शीशा व दुकान में पड़ा लठ। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी में एक बदमाश की ओर से दुकान खोलते ही मोबाइल विक्रेता से पांच लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। इस बारे में मोबाइल विक्रेता ने पुलिस में शिकायत दी है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। फिरौती मांगने वाले ने दुकानदार को एक पर्ची में लिखकर पैसों की डिमांड की है। इससे पूर्व भी इसी दुकानदार से फिरौती मांगी जा चुकी है।

जानकारी के अनुसार नारनौल के रहने वाले विक्की ने नांगल चौधरी बस स्टैंड के पास श्रीश्याम मोबाइल के नाम से दुकान कर रखी है। दुकानदार के अनुसार शनिवार सुबह उसने अपनी दुकान खोली थी। दुकान खोलने के थोड़ी देर बाद ही वहां पर एक युवक आया। उसने एक पर्ची उसको पकड़ाई। पर्ची पकड़ाते ही उसने लठ से उस पर हमला कर दिया। इससे वह बाल बाल बच गया। जिसके बाद उसने दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। दुकान के शीशे के गेट व काउंटर पर कई लठ मारे। ऐसा देख दुकान पर लगे कर्मचारियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर मचाते ही आसपास के दुकानदार वहां पर आ गए। जिस पर बदमाश लठ वहीं पर छोड़कर भाग गया।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदातः यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसमें दिख रहा है कि एक युवक दुकान पर आता है और दुकानदार को एक पर्ची देता है। जिसके बाद वह लठ से दुकानदार पर हमला कर देता है।

पर्ची में लिखा पांच लाख दो, नहीं तो जान से मार देंगेः बदमाश की ओर से दुकानदार को दी गई पर्ची में लिखा है कि पांच लाख रुपये दो दिन के अंदर मिल जाने चाहिए। वरना जान से मार देंगे। पहलवान।

कांफ्रेंस में प्रस्तुत किए शोधपत्र

- आरपीएस इंजिनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। फोटो : हरिभूमि?.

आरपीएस इंजिनियरिंग कॉलेज बलाना में दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन हुआ। यह कांफ्रेंस सीएसआईआर-सीरी पिलानी के संयुक्त तत्वाधान में कराई गई। कांफ्रेंस के मुख्यातिथि हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। कांफ्रेंस की कन्वीनर डॉ. रोजालीना दास ने बताया कि यह कांफ्रेंस हाइब्रीड मोड में आयोजित की गई, जिसमें सांइस, इंजिनियरिंग, मनीटीज तथा मैनेजमेंट विषयों से संबंधित 100 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। कांफ्रेंस के पहले दिन विशिष्ट अतिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीएसआईआर सीरी पिलानी में प्रिंसिपल सांइटिस्टस डॉ. संजय सिंह, डॉ. प्रमोद तंवर तथा डॉ. विजय चर्ट, ओरपीएस कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. महेश कुमार यादव तथा आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशनस डॉ. देवेन्द्र यादव, इंजि. कॉलेज डीन प्रो. राजेंद्र सिंह यादव, डिग्री कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान, डिग्री कॉलेज डीन डॉ. हेमंत कुमार रहे। सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के सामने द्वीप प्रज्वलन किया।

परीक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर धारा 163 लागू

नारनौल। जिलाधीश डा. विवेक भारती ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षा के सफल संचालन के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले के अन्दर बनाए गए सभी परीक्षा केन्द्रों के आसपास 15 फरवरी से चार अप्रैल तक परीक्षा के दौरान 200 मीटर की परिधी में पांच व इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि सिख समुदाय द्वारा रखी जाने वाले धार्मिक कृपान को छोड़कर घातक हथियारों शस्त्र तलवार, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, चाकू, साइकिल चेन व अन्य वस्तुएं जिन्हें घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता हैं, उन पर पाबंदी रहेगी।

चोरी का सामान खरीदने का आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर क्षेत्र में चोरों ने मकान में घुसकर पानी की मोटर, टीवी, ड्रिल मशीन, नकदी व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में थाना शहर पुलिस ने चोरी करने वाले दो आरोपितों को पहले गिरफ्तार किया गया था। जिनसे टीवी व अन्य सामान बरामद किया गया था। आरोपितों ने चोरी की हुई पानी की मोटर बेच दी थी। थाना शहर पुलिस ने चोरी की मोटर खरीदने वाले आरोपित को नारनौल क्षेत्र से गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान जुगनू वासी सिंघाना बाईपास निजामपुर रोड के रूप में हुई। जिससे पूछताछ में पुलिस ने नकदी बरामद की है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता बृजमोहन वासी वार्ड नंबर 15 नियर काचा वाला मन्दिर ने थाना शहर में शिकायत दर्ज कराई कि पांच फरवरी को वह और उसके परिवार के लोग उसकी चाची का देहांत होने पर करीब एक बजे दिन में वहां पर चले गए थे। उसके बाद वहां से घर आए तो देखा कि उसके घर में चोरी हो गई। पड़ोसी के कैमरे चैक किए तो चोर उसके घर से पानी की मोटर, एक पीपा रिफाईड, एक ड्रिल मशीन व कुछ पैसे ले जाता हुआ दिखाई दिया।

नगर पालिका के सामने मिला व्यक्ति का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मौके पर जांच करती पुलिस।

नगर पालिका कार्यालय के सामने स्थित एक खाली प्लॉट में शनिवार को एक व्यक्ति का शव मिला। यह शव उस समय नजर आया, जब प्लॉट की सफाई की जा रही थी। दरअसल, शिवरात्रि के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इस प्लॉट की सफाई की जा रही थी, तभी वहां मौजूद लोगों ने शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को शव के पास से एक आधार कार्ड मिला, जिससे मृतक की पहचान गांव खुडाना निवासी 46 वर्षीय अनिल पुत्र खेत सिंह के रूप में हुई। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, ताकि साक्ष्य एकत्र किए जा सकें। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं मृतक के परिजनों ने अनिल की मौत पुलिस से शराब के नशे में गिरने से बताई है। पुलिस को दिए बयान में विजय सिंह ने बताया कि वह गांव खुड़ाना का निवासी है। हम चार भाई व तीन बहने हैं। छोटा भाई 46 वर्षीय अनिल सिंह शराब पीने का आदी था। अनिल अक्सर घर से बाहर रहता था। अब करीब चार दिन से घर से बाहर था। 15 फरवरी को समय करीब 12:00 बजे वह घर पर था। सरपंच प्रतिनिधि नरेश सिंह का फोन आया कि थाना शहर महेंद्रगढ़ से फोन आया है अनिल पुत्र खेत सिंह की डेड बॉडी सब्जी मंडी के पास एक खाली प्लॉट में पड़ी हुई है। इस सूचना पर वह सरपंच व अन्य ग्रामीणों के साथ आया। इसे बाद उसने भाई की डेडबॉडी को देखा।

नपा डोर टू डोर कूडा कलेक्शन के लिए एजेंसी करेगी हायर, एजेंसी को 6 माह में 43 लाख का करेगी भुगतान

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर से निकलता है प्रतिदिन 12 टन कचरा

महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूडा कचरा एकत्रित करना होता है। वर्तमान में नगर पालिका के पांच टैपो तथा 3 टैक्ट्रर से पूरे शहर का कचरा कलेक्शन किया जाता हैं। वाहनों की संख्या कम होने के कारण पूरे शहर से नगर पालिका के वाहनों से कूडा कलेक्शन करना किसी चुनौती से कम नहीं हैं। शहर से प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता हैं। शहर से निकलने वाले कचरे को देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता हैं। शहर से निकलने वाले कचरे निवारण नहीं होने के कारण डंपिग यार्ड में कई बार ओवरफ्लो भी हो चुका हैं।

नगर पालिका की ओर से शहर में डोर टू डोर कूडा कलेक्शन के लिए एजेंसी को हायर किया जाएगा। नपा की ओर से छह माह के लिए शहर में कूडा कलेक्शन का टेंडर जारी कर दिया है। एजेंसी को छह माह में करीब 43 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। इसमें एजेंसी केवल अपने वाहन देगी तथा शहर में सफाई नगर पालिका के कर्मचारी करेंगे। बता दें कि नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जाता हैं। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता हैं। 30 अप्रैल को 2023 को डोर टू डोर कूडा कलेक्शन का टेंडर समाप्त हो गया है। करीब दो साल से शहर में कूडा कलेक्शन का टेंडर नहीं हो पाया है। ऐसे में पिछले दिनों नगर पालिका की ओर से शहर में डोर टू डोर कूडा कलेक्शन के लिए एक एजेंसी को हायर किया गया था। 5 फरवरी को एजेंसी की समयावधि समाप्त हो गई थी। लेकिन फाइनेंस कमेटी की बैठक में एजेंसी को एक माह समय बढ़ा दिया गया था। नगर पालिका के अधिकारियों का कहना है कि शहर में डोर टू डोर कूडा कलेक्शन के टेंडर की फाइल चंडीगढ़ भेजी हुई है। फाइल को अभी मंजूरी नहीं मिल पाई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने में करीब छह माह समय लग जाएगा।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इंडस वैली स्कूल में हुई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। इंडस वैली पब्लिक स्कूल ढौंगड़ा अहीर में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता विद्यालय के विभिन्न चार सदनों शहीद भगत सिंह, डॉ. राधाकृष्णन, राव तुलाराम व टैगोर के बीच प्राथमिक एंव माध्यमिक स्तर की कक्षाओं के बच्चों के साथ हुई। सभी बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागी बच्चों ने सभी का मन मोह लिया।इस अवसर पर चेयरमैन धर्मेंद्र यादव, उप चेयरमैन विजय सिंह, निदेशक केसी यादव, प्राचार्य जयवीर सिंह यादव, उपप्राचार्य वीर सिंह यादव व समस्त स्टाफ ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत कर शुभकामना दी।

कार्यक्रम | **नगरपालिका चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन हुआ सख्त**

लाइसेंस हथियार जमा नहीं कराने पर लाइसेंस कैंसिल करवाने की प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी

अटेली व कनीना नपा चुनाव के मद्देनजर जल्द अपने लाइसेंसी हथियार जमा करवाएं: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- चुनाव में बाधा उत्पन्न करने वाले संभावित लोगों को

एसपी ने की जनता से अपील

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने जिले की आम जनता से अपील की है कि चुनाव के दौरान यदि कोई व्यक्ति शांति भंग करता है या किसी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी उनके पास है, तो इसकी तुरंत सूचना अपने निकटवर्ती पुलिस थाना या चौकी में दे सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा।

अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नगर पालिका अटेली व कनीना से संबंधित शस्त्र लाइसेंस धारकों को जल्द से जल्द अपने लाइसेंसी हथियार नजदीकी पुलिस थाना में जमा करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि निर्वाचन आयोग की ओर से अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव की घोषणा कर दी गई है तथा आगामी दो मार्च को चुनाव प्रस्तावित किए गए हैं। चुनाव घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्वक, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में संपन्न करवाने के उद्देश्य से लाइसेंस धारक अपना हथियार बिना किसी देरी के अपने नजदीकी थाना में जमा कराएं। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि नगर पालिका अटेली व कनीना से संबंधित जिन लोगों के पास लाइसेंसी हथियार हैं, उन सभी के हथियारों को चुनाव से पहले संबंधित पुलिस थाना में जमा करवाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त लाइसेंस धारक गन हाउस में भी अपने हथियार जमा करवा सकता है, लेकिन हथियार जमा करवाने की रसीद को संबंधित थाने में दिखाना अनिवार्य है। पुलिस अधीक्षक ने कड़े शब्दों में कहा कि चुनाव के दौरान किसी के पास भी कोई हथियार नहीं होना चाहिए। जो लोग अपने लाइसेंसी शस्त्र जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वह अशांति फैलाने में शामिल पाए गए तो उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त करवाने के लिए प्रशासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

{ कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम }

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

{ सजेशन
रजनी अरोड़ा }

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

{ कहानी
शुभदा मिश्र }

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट / शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड / संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात / पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं,'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'